ग्रामीण महिलाएं हुईं जागरूक, बढ़ने लगा कदम

ग्रामीण महिलाएं अब काफी सशक्त हो चुकी हैं और घर-परिवार से बाहर निकल कर गांव और समाज के लिए काम कर रही हैं. गांव में बच्चों को शिक्षा एवं दिव्यांगों के जीवन-यापन समेत अन्य सामाजिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं. ग्राम स्वराज अभियान के तहत ग्रामीणों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी हासिल कर रही हैं और उसका लाभ भी उठा रही हैं. समय-समय पर जेएसएलपीएस द्वारा सखी मंडल की महिलाओं को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि हो सके. वह गांव में नये कृषि उपकरण खरीद कर ला रही हैं, जिसका लाभ ग्रामीण उठा रहे हैं. इसके जरिये अच्छी उपज हो रही है और गांव की अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है.

स्कूल के कार्यक्रम में शामिल छात्र और शिक्षक.

दिव्यांग तबरेज बना लोगों के लिए मिसाल

अपनी दुकान के बाहर बैठे तबरेज.

अनगड़ा प्रखंड के हेसल गांव के दिव्यांग तबरेज अंसारी पूरे गांव के लिए मिसाल बन गये हैं. तबरेज अपने साथ-साथ गांव के दूसरे दिव्यांगों की भलाई के लिए काम कर रहे हैं. तबरेज को आगे बढ़ाने में जेएसएलपीएस का महत्वपूर्ण योगदान है. हेसल गांव में जेएसएलपीएस के द्वारा दिव्यांगों के लिए न्यू आशा दिव्यांग समूह बनाया गया. समूह में कुल 11 सदस्य हैं. समूह को खोलने में तबरेज अंसारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. तबरेज एक किराना दुकान भी चलाते हैं. उनके घर में उनकी विधवा मां और सात भाई रहते हैं.

पिंकी महतो

प्रखंड अनगड़ा
जिला रांची

तबरेज गांव के सभी दिव्यांगों के पास गये और समूह के फायदे बता कर उन्हें समूह से जुड़ने के लिए तैयार किया. कई दिव्यांग ऐसे थे, जिनके पास दिव्यांग प्रमाण पत्र भी नहीं था और फोटो भी नहीं था. तबरेज ने सबके लिए दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाया. तब जाकर तबरेज ने दो समूह बनाये. समूह में जुड़ने से पहले तबरेज एक दर्जी की दुकान में काज-बटन लगाने का काम करते थे. जहां उन्हें पांच रुपये रोजाना मिलता था. उन पैसों को जमा करते-करते उनके पास 500 रुपये हुए, फिर अपनी मां से 2000 रुपये लेकर तबरेज ने एक दुकान खोली. तबरेज खुद से ग्राहकों को सामान नहीं दे पाते हैं, क्योंकि उनका सिर नहीं घूमता है. लेटे-लेटे ही तबरेज दुकान चलाते हैं. समूह से जुड़ने के बाद अब तबरेज अपनी दुकान को और बढ़ाना चाहते हैं, साथ ही अपने जैसे लोगों की मदद करना चाहते हैं. तबरेज बताते हैं कि जेएसएलपीएस से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है और आत्मविश्वास भी बढ़ा है. अब उनसे मिलने के लिए कई बड़े अधिकारी आते हैं.

अच्छी शिक्षा से सुधर रही जिंदगी

रुबी खातून

प्रखंड अनगड़ा
जिला रांची

अनगड़ा प्रखंड की सिरका पंचायत के सिरका गांव में जनवरी 2000 में सिरका विकास विद्यालय, सिरका की नींव रखी गयी थी. तीन एकड़ में फैले इस स्कूल को खोलने की तैयारी वर्ष 1999 में ही कर दी गयी थी. उस समय स्कूल में पांचवीं तक की पढ़ाई होती थी. यह स्कूल जंगल के किनारे मुख्य सड़क के पास स्थित है. पिछले 18 वर्षों में इस स्कूल ने नयी ऊंचाई को छुआ है. शुरुआत में पांच शिक्षक थे. आज 13 शिक्षक हैं. स्कूल की शुरुआत उस वक्त की गयी थी, जब पंचायत में एक भी निजी स्कूल नहीं था. स्कूल नहीं होने के कारण बच्चों को पढ़ाई करने के लिए आठ किलोमीटर दूर जाना पड़ता था. यातायात के साधन उपलब्ध नहीं थे, जिस कारण छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी होती थी. लड़कियों को तो स्कूल ही नहीं भेजा जाता था. ग्रामीण विकास संस्था के सदस्य सह संचालक अमर चौधरी, शिक्षिका अनुपा देवी समेत अन्य शिक्षकों ने स्कूल शुरू करने की जानकारी हर गांव में जाकर ग्रामीणों को दी. जिसके बाद स्कूल की बुनियाद रखी गयी. उस समय स्कूल में 50 बच्चे पढ़ते थे. धीरे-धीरे स्कूल आगे बढ़ता गया और वर्ष 2006 से स्कूल में मैट्रिक की पढ़ाई शुरू हो गयी. तब से लेकर वर्ष 2018 तक स्कूल के विद्यार्थियों ने दसवीं में अच्छा प्रदर्शन किया है. स्कूल का रिजल्ट 99 फीसदी रहा है. फिलहाल स्कूल में 350 बच्चे पढ़ते हैं. स्कूल के शिक्षक फलेन्द्र बताते हैं कि दिनों-दिन स्कूल काफी अच्छा होता जा रहा है और बच्चे भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. अगर एक ही परिवार के तीन बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं तो एक बच्चे की फीस माफ कर दी जाती है. छात्र रोहित कुमार महतो ने बताया कि स्कूल में पढ़ाई अच्छी होती है. इसके साथ-साथ यहां खेल-कूद पर भी ध्यान दिया जाता है. सुदूरवर्ती इलाके में स्कूल खुल जाने से शिक्षा का स्तर ऊंचा हुआ है.

मिला प्रशिक्षण

क्लस्टर संगठन के पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए खूंटी में जेएसएलपीएस के द्वारा पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. इस दौरान क्लस्टर संगठन के अध्यक्ष, सचिव ,कोषाध्यक्ष और लेखापाल को प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण में रनिया प्रखंड की बीएपी नरसिमा, चुनेश्वरी देवी और गुलशन खातून समेत सात क्लस्टर संगठन के पालक वर्ग शामिल हुए. प्रशिक्षण के दौरान क्लस्टर के संचालन के बारे में विस्तार से बताया गया, साथ ही क्लस्टर की आय को बढ़ाने की जानकारी भी दी गयी. क्लस्टर संगठन के सचिव, अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और लेखापाल के क्या कार्य हैं, क्या जिम्मेदारी है इसके बारे में भी समझाया गया. सभी पदाधिकारियों को सीएलएफ का रजिस्टर 19 के बारे में बताया गया. प्रशिक्षण में सामुदायिक संस्था का निर्माण, सामुदायिक निवेश का प्रबंधन और ग्राम संगठन के कामकाज की समीक्षा के बारे में भी सिखाया गया.

अमिता देवी

प्रखंड रनिया
जिला खूंटी

आत्मनिर्भर हुईं सरिता

रांची जिले के कांके प्रखंड स्थित दुबलिया गांव की सरिता देवी आइपीआरपी बन गयी हैं. अपनी लगन और मेहनत से वह आत्मनिर्भर हुई हैं. सूरज महिला समूह से जुड़ी सरिता ने कड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनायी है. सखी मंडल से जुड़ने के बाद सरिता ने समूह के कार्यों को अच्छे से समझा और दुबलिया गांव की 13 सखी मंडलों की सक्रिय महिला बन गयीं. स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव में बनाये जा रहे शौचालय निर्माण में अहम भागीदारी निभायीं. सखी मंडल में काम करते हुए दो साल बाद जेएसएलपीएस के माध्यम में उन्हें इंटरनल पर्सनल रिसोर्स पर्सन का प्रशिक्षण दिया गया. उसके बाद प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया. अब सरिता दूसरी पंचायतों में जाकर समूह बनाने का काम करती हैं. महिलाओं को समूह बनाने के फायदे बता कर उन्हें जागरूक कर रही हैं. सरिता बताती हैं कि बाहर जाकर नये लोगों से मिल कर बात करने से हर दिन कुछ नया सीखने के लिए मिलता है.

प्रीति लिंडा

प्रखंड कांके
जिला रांची

कृषि उपकरण पा खिले चेहरे

रांची जिले के कांके प्रखंड अंतर्गत सुकुरहुट्टू दक्षिणी पंचायत की सखी मंडल की महिलाओं को जेएसएलपीएस के सहयोग से पावर टिलर मशीन और थ्रेसर दिया गया है. इसके लिए जागृति समूह की महिलाओं ने 22 हजार रुपये जमा किये थे. महिलाओं को चार थ्रेसर मशीन और एक पावर टिलर मिला है. समूह की अध्यक्ष दसमी देवी बताती हैं कि कृषि उपकरण मिलने से उनका काम आसान हो गया है. सभी सदस्य बारी-बारी से अपने खेतों की जुताई करती हैं. आलोमनी देवी कहती हैं कि मई महीने में उन्होंने पावर टिलर का इस्तेमाल करके सब्जियां लगायी थी, जिसे बेच कर उन्हें काफी मुनाफा हुआ है. इसके साथ-साथ गांव के दूसरे लोग भी पावर टिलर का इस्तेमाल करते हैं. एक छोटे खेत की जुताई करने के लिए किसानों से 700 रुपये लिये जाते हैं. इस वर्ष की जुताई से अभी तक समूह को 20 हजार रुपये की आमदनी हुई है. नैना देवी और सोना देवी बताती हैं कि उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, लेकिन वे कृषि उपकरणों का उपयोग करके अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार लायेंगे.

सुषमा देवी

प्रखंड लेस्लीगंज
जिला पलामू

पुलिया से राह आसान

गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड के अंतर्गत मध्यगोपाली गांव में समूह की महिलाओं ने पुलिया बनाया है. दरअसल गांव के बीच से एक होलहोदवा नाला बहता था, जिसके कारण गांव में आने-जाने वाले लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था. ग्रामीणों को सामान ले जाने के लिए लंबी दूरी से घूम कर जाना पड़ता था, जिसके कारण काफी समय बर्बाद होता था. कई बार तो मवेशी भी उसमें गिर जाते थे. महिलाओं के साथ भी काफी समस्याएं होती थीं. इस समस्या को देखते हुए गांव की महिलाओं ने मुखिया पार्वती देवी के साथ बैठक की और होदहोदवा नाले में पुलिया बनाने पर चर्चा की. मुखिया से बैठक के बाद समूह की महिलाओं ने जिला परिषद और विधायक के पास जाकर पुलिया बनाने का प्रस्ताव रखा. महिलाओं के आत्मविश्वास को देखते हुए उन्हें स्वीकृति मिल गयी. महिलाओं की देखरेख में ही वर्षों पुराने होदहोदवा नाले पर पुलिया का निर्माण हुआ. पुलिया का निर्माण होने से ग्रामीण काफी खुश हैं.

मुनिया देवी

प्रखंड डुमरी
जिला गिरिडीह

ग्राम स्वराज अभियान से मिला ग्रामीणों को लाभ

समूह की सदस्यों को प्रमाण पत्र देते अतिथि.

पलामू जिले के लेस्लीगंज प्रखंड के ग्रामीणों तक सरकारी सुविधाएं पहुंच रही हैं. प्रखंड की छह पंचायतों के 14 गांवों में ग्रामीणों को ग्राम स्वराज अभियान के तहत चलायी जा रही योजनाओं का लाभ मिल रहा है. इस अभियान के तहत नौ योजनाएं आती हैं. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री हर घर बिजली योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, मिशन इंद्रधनुष, केसीसी, और शौचालय निर्माण. ये सभी योजनाएं सीतादीह, कोटखाश, पिपरा खुर्द, नीडिहा, कोइरीपतरा समेत 14 गांवों में चलायी जा रही है. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया जा रहा है. जिससे ग्रामीण महिलाओं को काफी राहत मिल रही है. उजाला योजना के तहत हर परिवार को एलईडी बल्ब दिया जा रहा है, जिससे रोशनी ज्यादा मिलती है और बिजली की खपत कम होती है. हर घर बिजली योजना के तहत गांव के प्रत्येक घर में बिजली का कनेक्शन दिया जा रहा है. इसके अलावा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी ग्रामीणों को मिल रहा है. कोटखास और गोपालगंज पंचायत के सचिव शांतनु कुमार ने बताया कि कोटखास में लगभग 381 घर हैं, जिनमें 88 घरों को उज्ज्वला योजना, 20 घरों को प्रधानमंत्री हर घर बिजली योजना, 68 घरों को जीवन ज्योति बीमा योजना, 81 घरों को सुरक्षा बीमा और चार घरों के लिए प्रधानमंत्री जन-धन योजना का फॉर्म भरा गया है. वहीं गोपालगंज में लगभग 309 घर हैं, जिनमें 72 घरों में उज्ज्वला योजना, 113 घरों में हर घर बिजली योजना, 90 घरों में जीवन ज्योति बीमा योजना, 139 घरों में सुरक्षा बीमा योजना, 121 घरों में प्रधानमंत्री जन-धन योजना और 24 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड देने के लिए आवेदन दिया गया है. शांतनु कुमार ने बताया कि सरकारी योजनाओं के तहत हो रहे कार्यों को पूरा करने में जेएसएलपीएस का काफी सहयोग रहा है.

नयनतारा कुमारी

प्रखंड लेस्लीगंज
जिला पलामू